श्री सत्यनारायण आरती (हिन्दी)

!! जय लक्ष्मीरमणा, श्री जय लक्ष्मीरमणा,
सत्यनारायण स्वामी, जनपातक हरणा,
ॐ जय लक्ष्मीरमणा श्री जय लक्ष्मीरमणा !!

!! रत्न जड़ित सिंहासन, अदभुत छवि राजे,
नारद करत निराजन, घंटा ध्वनि बाजे,
ॐ जय लक्ष्मीरमणा श्री जय लक्ष्मीरमणा !!

!! प्रगट भये कलि कारण, द्विज को दरश दियो,
बूढो ब्राह्मण बनकर, कंचन महल कियो,
ॐ जय लक्ष्मीरमणा श्री जय लक्ष्मीरमणा !!

!! दुर्बल भील कठारो, इन पर कृपा करी,
चंद्रचूड एक राजा, जिनकी विपत्ति हरी,
ॐ जय लक्ष्मीरमणा श्री जय लक्ष्मीरमणा !!

!! वैश्य मनोरथ पायो, श्रद्धा तज दीनी,
सो फल भोग्यो प्रभुजी, फिर स्तुति कीनी,
ॐ जय लक्ष्मीरमणा श्री जय लक्ष्मीरमणा !!

!! भाव भक्ति के कारण छिनछिन रूप धरयो-,
श्रद्धा धारण कीनी, तिनको काज सरयो,
ॐ जय लक्ष्मीरमणा श्री जय लक्ष्मीरमणा !!

!! ग्वाल बाल संग राजा, वन में भक्ति करी,
मनवांछित फल दीन्हो, दीनदयाल हरी,
ॐ जय लक्ष्मीरमणा श्री जय लक्ष्मीरमणा !!

!! चढ़त प्रसाद सवाया, कदली फल मेवा,
धूप दीप तुलसी से, राजी सत्यदेवा,
ॐ जय लक्ष्मीरमणा श्री जय लक्ष्मीरमणा !!

!! सत्यनारायण की आरति, जो कोई नर गावे,
कहत शिवानंद स्वामी, वांछित फल पावे,
ॐ जय लक्ष्मीरमण श्री जय लक्ष्मीरमणा !!

Download more Aarti in Hindi and English at www.Pandit.com